Date: 10th July 2020
FRIDAY

Expt. No. 69 Page No. (1)

SONAM BALA
(DEPT OF GEOGRAPHY)
A.N.D. COLLEGE, SHAHPUR PATORY, SAMASTIPUR
B.A. - II (Hons)
PAPER — III, GEOGRAPHY OF INDIA & BIHAR

LECTURE — 69

UNIT — 3, PRODUCTION & DISTRIBUTION OF HYDRO-ELECTRICITY IN INDIA — 3

भारत में जल विद्युत-शक्ति का उत्पादन एवं वितरण

(3) केरल में पल्लीवासल — मुदिरापुजा नदी के पल्लीवासल प्रपात पर विद्युत-गृह 1940 में स्थापित की गई। इसकी उत्पादन क्षमता 50,000 किलोवाट है।

4) शिवासमुद्रम परियोजना — कर्नाटक में कावेरी नदी पर शिवासमुद्रम जलप्रपात के समीप शक्ति-गृह की स्थापना हुई। इसके द्वारा विद्युत आपूर्ति कोलार की खानों, बंगलुरु और मैसूर की ऊनी और रेशमी कपड़े की मिलों और अन्य 225 नगरों और गाँवों को की जाती है। विद्युत की माँग बढ़ने से नदी के ऊपर की ओर कृष्णा-राजसागर बाँध बनाकर कावेरी नदी के जल को रोक दिया गया। इस प्रकार दोनों की सम्मिलित उत्पादन क्षमता 42,000 किलोवाट हो गयी है। कावेरी की सहायक नदी सिम्सा के प्रपात पर शक्ति-गृह 1960 में स्थापित किया गया। इसकी क्षमता

Teacher's Signature : ....

17,200 किलोवाट है।

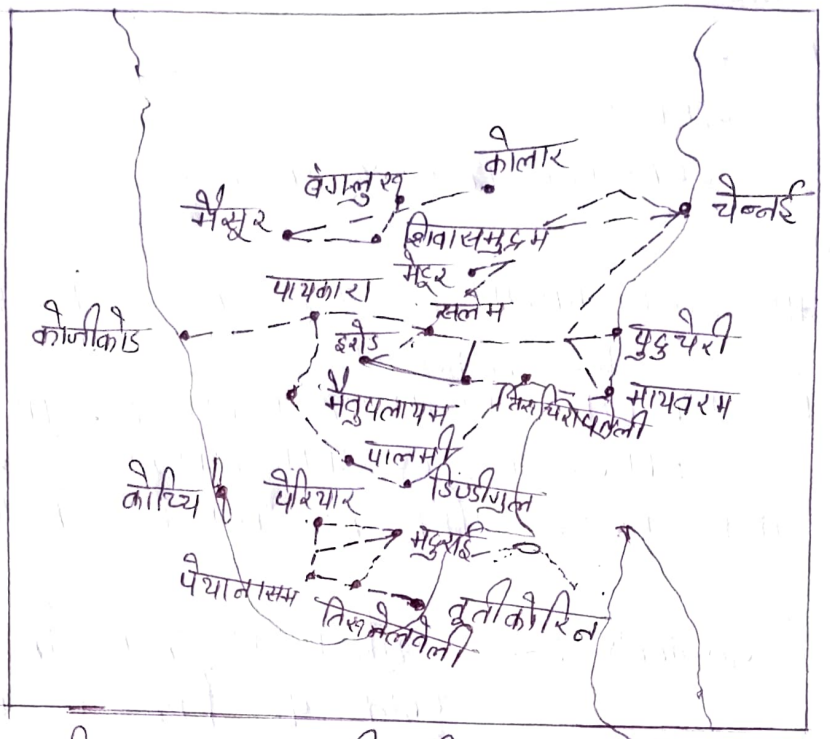

दक्षिण भारत की विद्युत योजनाएँ

उत्तरी भारत में जल विद्युत शक्ति

1). कश्मीर राज्य — झेलम नदी का जल बारामूला के निकट 10m की ऊँचाई से गिराकर 20 मेगावाट पनबिजली पैदा की जाती है।

2) उत्तर प्रदेश — इस राज्य में तीन जल-विद्युत परियोजनाएँ सबसे महत्वपूर्ण हैं:—

(i) गंगा विद्युत क्रम
(ii) शारदा नहर परियोजना
(iii) रिहन्द घाटी परियोजना